RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : गुरुवार 09 मई 2024 वर्ष 06 अंक 21 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

वडेट्टीवार के बयान पर चुप क्यों हैं उद्धव...

Page - 3

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

कैदियों को भी चिकित्सा उपचार का अधिकार है - उच्च न्यायालय

मुंबई: वित्तीय गबन मामले में गिरफ्तार जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को अंतरिम चिकित्सा जमानत देते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि कैदियों को भी चिकित्सा उपचार पाने का अधिकार है और यह उनका आत्म-सम्मान का अधिकार है। न्यायमूर्ति निजामुद्दीन जमादार की एकल पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि एक कच्चे कैदी के रूप में व्यवहार किए जाने और एक सामान्य व्यक्ति के रूप में व्यवहार किए जाने के बीच अंतर है जो किसी भी बंधन के तहत नहीं है। गोयल के मेडिकल परीक्षणों, रिपोर्टों का अध्ययन करने के बाद यह नहीं कहा जा सकता कि वह बीमार नहीं हैं। साथ ही, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का यह तर्क भी स्वीकार नहीं किया जा सकता कि गोयल को जमानत नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि वह अपनी पसंद के निजी अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। वास्तव में, इस तर्क को स्वीकार करना कि यदि कोई व्यक्ति आवश्यक उपचार प्राप्त करता है तो वह जमानत के लिए पात्र नहीं है, यह किसी व्यक्ति की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने के समान है, अदालत ने चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत देने के लिए गोयल की याचिका को स्वीकार करते हुए कहा। कोर्ट ने यह भी कहा कि गोयल के मामले से भागने या सबूत नष्ट करने की कोई संभावना नहीं है. गोयल को केनरा बैंक से 538 रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में ईडी ने गिरफ्तार किया था। विशेष अदालत द्वारा मेडिकल जमानत देने से इनकार करने के बाद गोयल ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने सोमवार को गोयल को दो महीने के लिए अंतरिम चिकित्सा जमानत दे दी।

छत्रपति संभाजीनगर और धाराशिव का नाम बदलने पर लगी मुहर, शिंदे सरकार को राहत...!

मुंबई : नाम बदलने के विवाद पर सरकार को बड़ी राहत मिली है. औरंगाबाद-उस्मानाबाद नाम परिवर्तन विवाद पर आज हाई कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है. हाई कोर्ट ने स्थानीय निवासियों द्वारा केंद्र सरकार और राज्य सरकार के फैसले को दी गई चुनौती को खारिज कर दिया है. बॉम्बे हाई कोर्ट ने अक्टूबर में फैसला सुरक्षित रखने का ऐलान किया है.

मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ ने 4 अक्टूबर, 2023 को सुनवाई पूरी करने के बाद अपना अंतिम फैसला सुरक्षित रख लिया। वह परिणाम आज घोषित कर दिया गया है. उस परिणाम की घोषणा करते समय, राजस्व विभाग के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में उस्मानाबाद और औरंगाबाद का नाम क्रमशः धाराशिव और छत्रपति संभाजीनगर करने का राज्य सरकार का निर्णय बहुत उपयुक्त है।

स्थानीय लोगों की दलीलों को यह कहते हुए खारिज कर दिया गया है कि इस फैसले से किसी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा. हाई कोर्ट ने इन याचिकाओं को खारिज करते हुए साफ कर दिया है कि वह कोई आर्थिक जुमार्ना नहीं लगाना चाहता है. नाम बदलने का फैसला राज्य सरकार ने बेहद गरिमापूर्ण तरीके से लिया. यह स्पष्ट किया गया है कि आगामी चुनावों के मद्देनजर न केवल इन दो शहरों बल्कि अन्य शहरों का नाम बदलने का प्रस्ताव विचाराधीन है। हाल ही में राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने भी स्पष्ट किया है कि अहमदनगर अहिल्यानगर बनेगा।

चुनाव के दौरान याचिकाएं खारिज करना गलत: याचिकाकर्ता

हाई कोर्ट द्वारा दिया गया फैसला राजनीति से प्रेरित है. फिलहाल महाराष्ट्र में चुनाव हैं. चुनाव के दौरान याचिका खारिज कर दी गई है. चुनाव के दौरान याचिका खारिज करना गलत है. याचिकाकर्ता ने कहा है कि हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे. इस संबंध में प्राप्त 28 हजार आपत्ति आवेदनों पर विचार नहीं किया गया. साथ ही यह फैसला पूरी तरह से राजनीतिक कारणों से लिया गया है.

सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं: याचिकाकर्ता के वकील

याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा. एक महीने की लंबी सुनवाई के बाद उम्मीद थी कि अदालत हमारे पक्ष में फैसला सुनाएगी। आज हाई कोर्ट ने जो फैसला दिया है उसकी हमें उम्मीद नहीं थी. याचिकाकर्ता बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। हमें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट से हमें उसी तरह का न्याय मिलेगा जैसा सुप्रीम कोर्ट ने 1998 में याचिकाकर्ताओं को राहत दी थी.

सड़क किनारे ठेले से खराब चिकन शावरमा खाने से युवक की मौत, 5 बीमार

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में सड़क किनारे ठेले से चिकन शावरमा खाने से एक 19 वर्षीय युवक की जान चली गई और 5 लोग बीमार होकर अस्पताल में भर्ती हैं। घटना मानखुर्द के महाराष्ट्र नगर इलाके की बताई जा रही है। मृतक की पहचान प्रथमेश भोकसे के रूप में हुई है। घटना के बाद ट्रॉम्बे पुलिस ने फूड स्टॉल चलाने वाले आनंद कांबले और मोहम्मद शेख को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य बीमार लोग केईएम अस्पताल में भर्ती हैं।

3 मई को खाया था चिकन शावरमा

पुलिस ने बताया कि प्रथमेश 3 मई को अपने दोस्तों के साथ हनुमान चाली के पास चिकन शावरमा खाने गया था। अगले दिन उसे पेट में दर्द और उल्टी की शिकायत हुई। 5 मई को तबीयत खराब होने पर उसे दोबारा अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के बाद घर भेज दिया गया। अगले दिन फिर उसे अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

अप्रैल में 12 लोगों हुए थे फूड प्वाइजनिंग के शिकार

मुंबई में फूड प्वाइजनिंग की यह पहली घटना नहीं है। कुछ दिन पहले अप्रैल के अंतिम सप्ताह में गोरेगांव में सड़क किनारे चिकन शावरमा खाने से 12 लोग बीमार पड़ गए थे। उन्होंने फूड प्वाइजनिंग की शिकायत हुई थी। 2 घटनाएं सामने आने के बाद बह्नमुंबई नगर निगम ने अवैध फूड स्टॉलों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। बता दें कि तेज गर्मी से सड़क किनारे मिलने वाले मांसाहार में कीटाणु पनपता है, जो खतरनाक है।

महाराष्ट्र विधान परिषद की चार सीटों पर 10 जून को होगा चुनाव

आयोग ने घोषित किया शेड्यूल, जानें...

मुंबई: महाराष्ट्र विधान परिषद की चार सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव 10 जून को होंगे। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को इसकी ऐलान किया। निर्वाचन आयोग की ओर से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक इसकी मतगणना 13 जून को होगी। विधान परिषद के मौजूदा सदस्यों (एमएलसी) का छह साल का कार्यकाल सात जुलाई को समाप्त हो जाएगा।

राज्य में जिन सीटों के लिए चुनाव होगा, उनमें मुंबई शिक्षक और मुंबई स्नातक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। इनका प्रतिनिधित्व वर्तमान में कपिल पाटिल (लोक भारती)-मुंबई शिक्षक और विलास पोटनीस (शिवसेना (यूबीटी))-मुंबई स्नातक द्वारा किया जाता है। इसके अलावा कोंकण संभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व बीजेपी के निरंजन डावखरे करते हैं, जबकि नासिक संभाग शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किशोर दराडे करते हैं।

बीजेपी है सबसे बड़ी पार्टी...

निर्वाचन आयोग के बयान के मुताबिक नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 22 मई है।नामांकनपत्र की जांच 24 मई को होगी, जबकि नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 27 मई है। महाराष्ट्र की विधानसभा परिषद् के कुल सदस्यों की संख्या 78 है। इनमें 66 सदस्य निर्वाचित होते हैं जबकि 12 सदस्य नामिनेट किए जाते हैं। सदन में अभी सत्ता पक्ष के पास 37 सदस्यों का समर्थन है जबकि विपक्ष के पास कुल 19 सदस्यों का समर्थन है। 21 स्थान रिक्त हैं। विधानसभा परिषद् में सबसे ज्यादा सदस्य बीजेपी के पास हैं। बीजेपी के सदस्यों की संख्या 22 है। बाकी सभी दलों की विधानसभा परिषद में ताकत काफी कम और उनके विधायकों की संख्या सिंगल डिजिट में सीमित है। महाराष्ट्र की विधानसभा परिषद में नौ दलों की उपस्थिति है। इनमें राष्ट्रीय समाज पक्ष भी शामिल है।

संपादकीय...

राष्ट्रीय सुरक्षा पर स्टंटबाजी

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

जम्मू-कश्मीर के पुंछ इलाके में बीती 4 मई को आतंकियों ने वायुसेना के काफिले पर हमला किया था, जिसमें एक जवान ने शहादत दी और चार घायल अब भी उपचाराधीन हैं। इस हमले को पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने भाजपा की ह्यचुनावी स्टंटबाजीह्न करार दिया। इससे बड़ी नालायकी और संवेदनहीनता क्या हो सकती है? यह राष्ट्रीय सुरक्षा और सेनाओं के सम्मान की अनिवार्यता का भी उल्लंघन है कि एक सरहदी राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने ऐसा बयान दिया है। पुंछ के घने, गहरे, जंगलात इलाकों में सेना और सुरक्षा बलों का ऑपरेशन अब भी जारी है, आतंकियों के दो स्कैच जारी कर 20 लाख रुपए का इनाम भी घोषित किया गया है और आश्चर्य है कि इस कवायद को ह्यस्टंटबाजीह्न करार दिया गया है। कांग्रेस नेताओं को सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई आक्रमण भी फर्जी और स्टंट लगे थे। वे लगातार सरकार से सवाल पूछते रहे और व्याख्याएं करते रहे कि आतंकी अड्डे नेस्तनाबूद नहीं हुए, बल्कि हमलों की चपेट में कुछ पक्षी आ गए थे। राष्ट्रीय सुरक्षा पर इतना खोखलापन और सियासी विरोध वाकई चिंतित करता है, क्योंकि ऐसी टिप्पणियां करना हमारे जांबाज सैनिकों के शौर्य और शहादतों का भी अपमान है। जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में ही दूसरा बयान फारूक अब्दुल्ला का है। वह कई सालों तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। बीती 17वीं लोकसभा में भी सांसद थे। भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रहे। इसके बावजूद फारूक का पाकपरस्त और चीन-समर्थक रवैया कोई नई बात नहीं है।

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) के संदर्भ में बयान दिया था, जिस पर फारूक अब्दुल्ला ने प्रतिक्रिया दी कि उन्होंने भी चूड़ियां नहीं पहन रखीं। उनके पास भी एटम बम है और वह बम हम पर ही गिरेगा। फारूक ने भारत की सामरिक ताकत को खौफजदा करने की कोशिश की है। एक बार फिर उन्होंने पाकिस्तान की भाषा बोली है। हालांकि वह सीमापार आतंकवाद के अंजामों को बखूबी जानते हैं। उन्हें 1999 का ह्याकारगिल युद्धह्न याद होगा। चलो, 1965 और 1971 के युद्धों को ह्यलंबा अतीतह्न मान लेते हैं, लेकिन पाकिस्तान को सब कुछ याद है। दुनिया ने यह भी देखा है कि युद्ध के नाम पर वहां की ह्यनेशनल असेंबलीह्न (संसद) में नेताओं के हाथ-पांव किस तरह कांपने लगते हैं? जिस देश के पास खाने को रोटी नसीब नहीं है, विदेशों के कर्ज पर जिंदा है, वह एटम बम कैसे चलाएगा? बहरहाल कश्मीर में अब्दुल्ला परिवार की हुकूमत के तीन दशकों के दौरान आतंकवाद और अलगाववाद कितना फला-फूला था, यह देश अच्छी तरह जानता है। उनकी स्मृतियां भी शेष हैं। कश्मीरी पंडितों के साथ अत्याचार किए गए थे, हत्याएं की गई थीं, अंतत: वे कश्मीर छोड़ने को विवश हुए। उसकी बुनियाद भी फारूक सरकार के दौरान रख दी गई थी। राज्य में उस दौर में 70,000 से अधिक आतंकी घटनाएं हुईं और 35,000 से अधिक कश्मीरी जवान मार दिए गए। ऐसा राजनेता आज पाकिस्तान की चूड़ियों और एटम बम की परोक्ष धमकी हमें दे रहा है! आज हमें ह्यनया कश्मीरह्न दिखाई दे रहा है। कश्मीर में रात 11 बजे भी ह्यलाल चौकह्न के पास घूम सकते हैं। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद 2 करोड़ से अधिक पर्यटक ह्यपृथ्वी का जन्नतह्न देखने आए हैं।

आतंकवाद के छाया पैरोकार रहे नेता बार-बार हमारे शहीदों और सैनिकों को अपमानित क्यों करते हैं? ऐसी ही हरकत मुंबई में कांग्रेस के नेता विजय वडट्टिवार ने की है। उन्होंने एक किताब के हवाले से बयान दिया है कि 26/11 आतंकी हमले के दौरान पुलिस के जांबाज अफसर हेमंत करकरे को आतंकवादी कसाब की गोली नहीं लगी थी, बल्कि वह आरएसएस समर्थक पुलिस अधिकारी की बंदूक से निकली गोली से शहीद हुए थे। इस निरर्थक बयान पर शशि थरूर जैसे बौद्धिक सांसद ने जांच की मांग की है।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

दो हजार के नोट बदलने के बहाने एक वरिष्ठ नागरिक को लूट लिया

नवी मुंबई: एक घटना रिजर्व बैंक ऑफ सीबीडी बेलापुर के पास हुई जहां एक दंपत्ति ने दो हजार रुपये के नोट बदलने के बहाने 70 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक से 1 लाख 60 हजार रुपये के 80 नोट लेकर भाग गए। इस जोड़े में भामटा का नाम चंद्रकांत प्रकाश साईंदाने है और सीबीडी पुलिस ने साईंदाने और उसके साथ मौजूद लड़की के खिलाफ धोखाधड़ी के साथ गबन का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है. इस मामले में ठगी का शिकार हुए वरिष्ठ नागरिक का नाम गोकुल गुप्ता (70) है और वह मुंबई के वडाला में रहते हैं। पिछले शनिवार को गुप्ता रुपये के 80 नोट बदलने के लिए सीबीडी बेलापुर के रिजर्व बैंक गए थे। साथ ही एक नोट बदलने के लिए 70 रुपये के बराबर 80 नोट 5600 रुपये चुकाने होंगे. कुछ देर बाद सैदाने एक युवती के साथ गुप्ता के पास गया.. फिर उसने उन्हें आश्वासन दिया कि उसके पास नोट बदलने के लिए चार और लोग हैं और वे एक घंटे के भीतर नोट बदल देंगे। फिर उसने अपना आधार कार्ड, पैन कार्ड जेरॉक्स और अपना और जिस लड़की के साथ वह था उसका मोबाइल नंबर देकर उनका विश्वास हासिल कर लिया। इसलिए गुप्ता ने उसे अपने करीब 80 नोट बदलने के लिए दिए। इसके बाद वे वहीं पर सैदाने का इंतजार करते रहे, शाम 4 बजे बैंक बंद होने के बाद भी जब सैदाने पैसे लेकर नहीं लौटा तो गुप्ता ने सैदाने और उसके साथी के मोबाइल पर संपर्क किया. लेकिन पता चला कि दोनों के फोन बंद थे..तो गुप्ता ने रात में सैदाने से संपर्क कर यह दिखावा किया कि उसे पुलिस ने पकड़ लिया है और सारा पैसा पुलिस ने ले लिया है। इसलिए अगले दिन जब गुप्ता दोबारा रिजर्व बैंक गया तो वहां मिला सैदाने यह कहते हुए वहां से भाग गया कि उसे याद नहीं है कि रात में पुलिस उसे कार में कहां ले गई थी. इसके बाद गुप्ता ने सीबीडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई.

कल्याण-सीएसएमटी सुबह की 15 कोच वाली लोकल तीन महीने से गायब

कल्याण : सुबह के समय मुंबई जाने वाले यात्रियों की भीड़ के समाधान के रूप में, मध्य रेलवे प्रशासन ने पिछले साल से सुबह के समय कल्याण से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस तक 15 कोच वाली लोकल शुरू की है। ऐसे दो स्थान हैं. पिछले तीन माह से एक लोकल ट्रेन के गायब रहने से रेल यात्री नाराजगी जता रहे हैं. कल्याण रेलवे स्टेशन से सुबह 8.32 बजे रवाना होने वाली 15 कोच वाली लोकल के कारण यात्रियों को धक्के खाने के बजाय आराम से यात्रा करनी पड़ी। इस लोकल में महिलाओं के लिए दो अलग-अलग कोच थे, प्रथम श्रेणी के विस्तारित कोच थे। इसलिए इस लोकल के कारण नियमित लोकल पर लोड कम हो रहा था। चूंकि इस लोकल में महिलाओं के लिए अतिरिक्त डिब्बे थे, इसलिए महिला यात्री बिना किसी धक्का-मुक्की के लोकल में प्रवेश कर सकती थीं। इन 15 कोच वाली लोकल की वजह से कल्याण, डोंबिवली, ठाणे के बीच प्लेटफॉर्म पर यात्रियों को नौ और 12 कोच वाली लोकल की तुलना में राहत मिल रही थी। सुबह के समय ऐसे दो स्थान थे। कल्याण से सुबह 8.32 बजे छूटने वाली लोकल पिछले तीन महीने से बंद है. रेल प्रशासन यात्रियों को इस बात का कोई कारण नहीं बताता कि यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण यह लोकल क्यों बंद है. रेल यात्री, यात्री संघ इस लोकल को शुरू करने के लिए रेल प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन कोई उनकी सराहना नहीं कर रहा है.

कल्याण और ठाणे के बीच भीड़भाड़ के कारण लोकल से गिरकर रेल यात्रियों की मौत की दर बढ़ रही है. इसके समाधान के तौर पर जब अधिक से अधिक सुविधाजनक लोकल को जारी करना जरूरी है तो रेल प्रशासन महत्वपूर्ण लोकल को बंद रखकर यात्रियों को असुविधा पहुंचा रहा है. मुंबई जाने वाले यात्रियों की भीड़ बढ़ गयी है. इसलिए अब ऐसी लोकल की जरूरत है, ऐसा यात्रियों का कहना है.

उपनगरीय रेलवे महिला प्रवासी महासंघ की अध्यक्ष लता अरगड़े ने इस संबंध में मध्य रेलवे के मंडल यातायात अधिकारियों से संपर्क किया, उन्हें दो साल में एक बार 15 कोच वाली लोकल का रखरखाव और मरम्मत करनी होती है। इस काम में कम से कम 40 दिन का समय लगता है. इससे ऐसी स्थानीय यात्री सेवाओं के आगमन में देरी होती है। इस पर अरगड़े ने अधिकारियों के समक्ष सवाल उठाया कि जब स्थानीय स्तर पर रखरखाव और मरम्मत के लिए आधुनिक सिस्टम उपलब्ध हैं तो रखरखाव के लिए इतना समय देकर रेल प्रशासन को आखिर क्या हासिल होता है. डोंबिवली और मुंब्रा के बीच ज्यादातर ट्रेन यात्रियों की मौत भीड़भाड़ के कारण होती है। इस बात से अवगत होकर रेलवे प्रशासन को जल्द से जल्द 15 लोकल कोच शुरू करने चाहिए, ऐसी मांग अध्यक्ष अरगडे ने की है.

एपीएमसी में अतिक्रमण आग की घटनाओं के लिए जिम्मेदार

नवी मुंबई: एपीएमसी मार्केट में लगी आग में बड़ी संख्या में एपीएमसी के कोयले को नुकसान पहुंचा है. इसलिए एपीएमसी प्रशासन ने आग लगने की रिपोर्ट तैयार की थी. उस रिपोर्ट में बाजार में अतिक्रमण, झुग्गियों के अलावा आम जगह के अधिक इस्तेमाल को आग की घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था. इस बीच, एपीएमसी ने फल बाजार में आम जगह का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है. जनवरी से मई तक 170 लोगों पर दंडात्मक कार्रवाई की गयी है. मुंबई कृषि उपज फल बाजार समिति में आम, कलिंगद, पपीता आदि फलों का सीजन जनवरी के बाद शुरू होता है। खासकर जब से हापु सीजन शुरू हुआ है, बड़ी संख्या में लकड़ी के बक्से बाजार में आ रहे हैं. आग लगने के समय वहां बड़ी मात्रा में गत्ता, घास और लकड़ी के बक्से थे। इससे आग काफी दूर तक फैल गई और 25-30 कोयले क्षतिग्रस्त हो गए। इसलिए, प्रशासन ने उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई का स्तर बढ़ा दिया है जो सामान्य स्थान का उपयोग करते हैं और अपनी कारों को माल रैक पर पार्क करते हैं। जनवरी में 54, फरवरी में 73, मार्च में 30, अप्रैल में 12 और मई में अब तक एक कारोबारी पर कार्रवाई हुई है.

नासिक/ पुलिस आयुक्तालय को 52 अपराधियों की तलाश...

नासिक: नासिक सिटी पुलिस आयुक्तालय आगामी लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए शराबियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर रहा है। सर्कल एक के तहत नासिक जिले से 52 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है. शहर में बढ़ते अपराध और आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं. जनवरी से अब तक सर्कल वन होम के डिप्टी कमिश्नर किरण कुमार चव्हाण ने नासिक जिले के 52 अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की है. इसमें गोमांस बेचने वाले, सार्वजनिक शांति भंग करने वाले जैसे अपराधी शामिल हैं। विशेष रूप से, कुछ संवेदनशील मामलों में, सराय मालिकों के दोस्तों पर भी मुकदमा चलाया गया है। जनवरी 2024 में म्हासरुल इलाके में एक अपराधी के साथ मुठभेड़ में एक सेवानिवृत्त जवान की मौत हो गई थी. इस मामले में गिरफ्तार तीन अपराधी अभी भी जेल में हैं. घटना से पहले अपराधियों के छह दोस्त उनके साथ मिलकर शराब पी रहे थे. इस संभावना को ध्यान में रखते हुए कि अपराधियों के दोस्त भी इस प्रकार का अपराध कर सकते हैं, इन छह लोगों पर भी मुकदमा चलाया गया है, हालांकि उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।

चाकू दिखाकर होटल व्यवसायी को धमकाया...

भिवंडी : शहर के भंडारी कंपाउंड स्थित रामचंद्र होटल में कल देर शाम साढ़े 9 बजे के दरम्यान इसी परिसर के रहने वाले एक युवक ने धारदार चाकू दिखाकर दहशत निर्माण करते हुए वेटर से जबरन रुपए छीन लेने की घटना को अंजाम दिया है। होटल में वेटर का काम करने वाले बबलू दीपक राम गुप्ता ने जिसकी शिकायत नारपोली पुलिस स्टेशन में दर्ज कराया है। पुलिस के मुताबिक कल रात्रि साढ़े 9 बजे के दरम्यान भंडारी कंपाउंड स्थित रामचंद्र होटल पर जहीर उर्फ सैफ उर्फ चिटी उर्फ हसन खान (23) ने बिना कारण वेटर बबलू गुप्ता के साथ गाली गलौज की और पैंट की जेब से चाकू निकाल कर धमाका तथा उसको मारते हुए उसकी जेब से 700 रुपए निकाल लिये। हसन खान हाथ में चाकू लेकर होटल में गया और फ्रीज से जबरन ठंडे का बोतल निकालकर कांउटर के कांच पर मारकर फोड़ दिया और होटल मैनेजर सैरूल को धमकी दी। यही नही होटल के बाहर निकल पर पान वाले को चाकू की धमकी देकर जबरन सिगरेट, तंबाखू ले लिया। नारपोली पुलिस ने शिकायत के बाद उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 397,323,504,506,427 सहित महाराष्ट्र पुलिस कायदा कलम 37 (1) 135 के तहत केस दर्ज कर लिया है। जिसकी आगे की जांच नारपोली पुलिस कर रही है।

मुंबईकरों को जुलाई आखिरी तक नहीं होगी पानी की समस्या

मनपा आयुक्त ने लिया जलाशयों का जायजा

मुंबई : मनपा आयुक्त भूषण गगरानी ने मंगलवार को तालाबों में बचे हुए पानी की आपूर्ति करने को लेकर बैठक की इस दौरान गगरानी ने कहा तालाबों में जुलाई आखिरी तक पानी सप्लाई करने के लिए पर्याप्त पानी है। उन्होंने कहा की तालाबों में पिछले साल की अपेक्षा कम पानी है. लेकिन राज्य सरकार के तालाबों में रिजर्व कोटे का पानी मुंबई वासियों को देने का निर्णय लेने से पानी की समस्या जुलाई आखिरी तक नहीं होगी। मानसून आने तक पानी सप्लाई सुचारु रखने के लिए ग्लास में पानी पिए और पानी की बबार्दी होने से बचाएं मनपा आयुक्त गगरानी ने मंगलवार को मुंबई को जलापूर्ति करने वाले तालाबों में शेष बचा पानी को लेकर मानसून आने तक पानी की सप्लाई कैसे की जाएगी इसका जायजा

लिया। मनपा आयुक्त ने मुंबई की जनता को आश्वासन दिया कि इस साल इस प्रकार योजना बनाई गई है कि यह हर साल की तरह 31 जुलाई तक पर्याप्त जलापूर्ति की जा सके। मनपा आयुक्त ने कहा राज्य सरकार ने पहले ही भातसा और अप्पर वैतरणा तालाबों से मुंबई के लिए अतिरिक्त जल भंडारण को मंजूरी दे दी है। प्रशासन उपलब्ध जल संसाधनों पर कड़ी नजर रख रहा है और उपलब्ध जल संसाधनों से पानी की सप्लाई करेगी। मनपा आयुक्त ने इसके बावजूद लोगों को पानी का उपयोग संयमित करना सभी के लिए आवश्यक है। मनपा आयुक्त की बैठक में अतिरिक्त आयुक्त अभिजीत बांगर, संयुक्त आयुक्त चन्द्रशेखर चौरे उपायुक्त (विशेष अभियांत्रिकी) चक्रधर कंडलकर, जल अभियंता पुरुषोत्तम मालवदे उपस्थित थे। तालाबों में आज 2 लाख 38 हजार 552 मिलियन लीटर पानी उपलब्ध है। यह स्टॉक तालाबों में कुल जमा होने वाले पानी 14 लाख 47 हजार 363 मिलियन लौटर की तुलना में 16.48 प्रतिशत है। इसी तरह भातसा तालाब से मुंबई को 1,37,000 मिलियन लीटर और अपर वैतरणा तालाब से 91,130 मिलियन लीटर अतिरिक्त पानी मिलेगा।

मानसून आगमन का पूवार्नुमान एवं जल संसाधनों की सतत समीक्षा- जैसा कि भारतीय मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि वर्तमान परिस्थितियां इस वर्ष मानसून के समय पर आगमन के लिए अनुकूल है। इसी तरह इस साल देश में 106 फीसदी बारिश का अनुमान पहले ही लगाया जा चुका है। मई के अंत तक मौसम विभाग मानसून का अपडेट पूवार्नुमान जारी करने वाला है. कुल मिलाकर मौसम विभाग द्वारा समय-समय पर की जाने वाली बारिश की भविष्यवाणी को ध्यान में रखते हुए मनपा द्वारा भी जल भंडारण की स्थिति की लगातार समीक्षा की जा रही है।

मतदान केंद्र के बाहर युवक की चाकू मारकर हत्या

मुंबई : लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान के दौरान मंगलवार को महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में एक मतदान केंद्र के बाहर चाकू से किए गए हमले में 27 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और उसका दोस्त घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह हमला निजी दुश्मनी के कारण किया गया और इसका चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने बताया कि पीड़ित समाधान नानासाहेब पवार और उसका दोस्त मतदान केंद्र के बाहर खड़े थे, तभी आरोपी गौरव उर्फ लाल्या नाइकनवरे ने उन पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारी ने कहा कि पवार को बार्शी के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई और उसके दोस्त की हालत खतरे से बाहर है।

फिलिस्तीन पर पोस्ट लाइक करने पर मुंबई के बड़े स्कूल ने प्रिंसिपल को किया बर्खास्त

मुंबई : मुंबई के ऐक प्रमुख स्कूल के प्रबंधन ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने प्रिंसिपल परवीन शेख की सेवाओं को बर्खास्त कर दिया है, ''ताकि वो यह सुनिश्चित कर पाएं कि एकता और समावेशिता के हमारे लोकाचार से समझौता नहीं किया जा रहा है.'' कुछ दिन पहले उन्हें कथित तौर पर फिलिस्तीन मुद्दे और हमास-इजरायल संघर्ष पर सोशल मीडिया पोस्ट लाइक करने के कारण स्कूल छोड़ने के लिए कहा गया था. मुंबई के विद्याविहार इलाके में सोमैया स्कूल के प्रिंसिपल शेख ने पद से उनकी ''बर्खास्तगी'' को ''पूरी तरह से अवैध, कठोर और अनुचित'' बताया और ''राजनीति से प्रेरित'' कार्रवाई पर आश्चर्य व्यक्त किया. स्कूल प्रबंधन ने कहा कि उनकी व्यक्तिगत सोशल मीडिया एक्टिविटी शैक्षणिक संस्थान के मूल्यों के अनुरूप नहीं थी. उनके सहयोगी ने 2 मई को कहा था कि शेख को पहले प्रबंधन ने कथित तौर पर उनके सोशल मीडिया विचारों पर इस्तीफा देने के लिए कहा था. प्रबंधन ने तब कहा था कि वह मामले की जांच कर रहे हैं. सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर एक बयान

जारी करते हुए सोमैया स्कूल प्रबंधन ने कहा, ''शेख की पर्सनल सोशल मीडिया एक्टिविटी हमारे शैक्षणिक संस्थान के मूल्यों के अनुरूप नहीं हैं और इस वजह से मामले की गहराई को समझते हुए और सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, हम उनकी सेवाओं को बंद करते हैं''. बयान में कहा गया है, ''सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, प्रबंधन ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारी एकता और समावेशिता के लोकाचार से समझौता नहीं किया जाए, परवीन शेख का सोमैया विद्याविहार की सेवाओं को बंद करता है.'' स्कूल प्रबंधन ने बयान में दावा किया कि वह एक ऐसा माहौल विकसित करने का प्रयास करता है जहां ज्ञान ज्ञान की ओर ले जाता है और ''समुदाय के सभी सदस्यों को छोटी मानसिकता और व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों से ऊपर उठाता है. बयान में इस बात पर जोर दिया गया कि संस्थान एक ऐसा शैक्षिक वातावरण प्रदान करने के लिए समर्पित है जो सभी संस्कृतियों और मान्यताओं का सम्मान करता है और समाज और हमारे राष्ट्र के लिए सकारात्मक योगदान देता है.

पिछले हफ्ते की शुरूआत में, सोमैया स्कूल प्रबंधन ने मीडिया को सूचित किया था कि उसने शेख से लिखित स्पष्टीकरण मांगा है और वह उसके जवाब का इंतजार कर रहा है. बयान में यह नहीं बताया गया कि प्रबंधन को उनसे कोई स्पष्टीकरण मिला या नहीं. शेख ने व्हॉट्सएप पर शेयर अपने बयान में इसे पूरी तरह से गैर कानूनी बताया है और कहा है कि वह स्कूल के इस फैसले से हैरान हैं.

वडेट्टीवार के बयान पर चुप क्यों हैं उद्धव

उपमुख्यमंत्री फड़णवीस का सवाल

मुंबई : विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार के शहीद हेमंत करकरे वाले बयान पर राज्य की गरमाई सियासत के बीच उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाविकास आघाड़ी पर पलटवार किया है। फडणवीस ने कहा कि मुंबई में हुए आतंकवादी हमले में शहीद हेमंत करकरे को लेकर कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने जो बयान दिया है उस बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री और यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे चुप क्यों हैं। उनके चुप्पी से यह साबित होता है कि उद्धव ठाकरे वडेट्टीवार के बयान से सहमत हैं। फडणवीस दादर स्थित वसंत स्मृति भवन मुंबई भाजपा

कार्यालय में आयोजित पक्ष प्रवेश कार्यक्रम के बाद पत्रकारों को सम्बोधित कर रहे थे। उद्धव ठाकरे को निशाने पर लेते हुए फडणवीस ने कहा कि मुंबई पर हमला करने वाले आतंकवादियों को फांसी दिलाने में वरिष्ठ अधिवक्ता उज्जवल निकम की भूमिका की बालासाहेब ठाकरे ने जमकर तारीफ की थी, उन्ही बालासाहेब ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे के सहयोगी दल के नेता अधिवक्ता उज्जवल निकम पर ऊंगली उठा रहे हैं तो वो चुप हैं।

फणडवीस ने कहा कि यह उनकी मजबूरी है क्योंकि उन्हें एक विशेष समाज का वोट लेना है। फड़णवीस ने कहा कि कांग्रेस नेता वडेट्टीवार पाकिस्तान की भाषा बोल रहे है. क्या वडेट्टीवार पाकिस्तान में किसी के संपर्क में हैं? इसका उन्हें जवाब देना चाहिए। मुंबई हमले से जुड़ी सभी मामले न्यायालय में समाप्त हो गई है आरोपियों को सजा दे दी गई है लेकिन कांग्रेस इस मुद्दे को क्यों उठा रही है, क्या कांग्रेस पार्टी चुनाव में हिन्दू-मुस्लिम करना चाहती है। फड़नवीस ने याद दिलाया कि 26 नवंबर का आतंकवादी हमला पाकिस्तान की साजिश थी और अजमल कसाब की गोली से हेमंत करकरे शहीद हो गए, और अदालत में यह साबित होने के बाद पाकिस्तान इस मामले में मुंह के बल गिरा था जिस आतंकवादी अजमल कसाब ने सैकड़ो मुंबई वासियों की हत्या की थी उस अजमल कसाब का कांग्रेस गुणगान कर रही है।

दादर के पीएसआई पर एसीबी ने दर्ज की एफआईआर, चार्जशीट फाइल करने और मामले में सहयोग करने के लिए मांगा था पैसा

मुंबई : भ्रष्टाचार निरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने दादर पुलिस थाने में कार्यरत पुलिस उप निरीक्षक ईश्वर सुरेश जगदाले (33) के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। एक रेस्टोरेंट के मैनेजर पर दादर पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी। जिसकी जांच जगदाले के पास थी। जगदाले ने मामले में सहयोग करने और चार्जशीट जल्दी फाइल करने के लिए पैसों की मांग की थी। जब मामले की जांच हुई तब पीएसआई द्वारा पैसे मांगे गए। लेकिन किन्ही कारणों से उसने पैसे नहीं लिए। इसलिए संबंधित मामले में एफआईआर

दर्ज कर जांच शुरू की गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक शिकायतकर्ता दादर के एक रेस्टोरेंट में मैनेजर के तौर पर काम करते हैं। उनके खिलाफ दादर पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज है। इस मामले में सहयोग करने और चार्जशीट जल्दी फाइल करने के लिए आरोपी ने शिकायतकर्ता से 50 हजार रुपयों की मांग की। बातचीत के बाद आरोपी 30 हजार रुपये लेने के लिए तैयार हो गया। 12 अप्रैल को संबंधित मामले में शिकायतकर्ता ने लिखित शिकायत की। जिसके बाद बातचीत में सारी जानकारी दी गई। फिलहाल एसीबी ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है।

बर्गर खाने से युवक की मौत... दिल दहला देने वाली घटना

मुंबई: मानखुर्द के महाराष्ट्रनगर इलाके में स्ट्रीट बर्गर खाने से 10 से 12 लोगों को जहर; एक की मौत हो गई. इस मामले में ट्रॉम्बे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है. मानखुर्द के महाराष्ट्रनगर इलाके में सड़क किनारे खाना पकाया और बेचा जाता है. सोमवार (6) शाम को इसी इलाके में बर्गर खाने से 10 से 12 लोग उल्टी-दस्त से पीड़ित हो गए. इनमें से कुछ पर निजी; कुछ को नगर निगम अस्पताल में इलाज के बाद देर रात घर भेज दिया गया। हालांकि इलाज के दौरान युवक प्रथमेश भोकसे की मौत हो गई. प्रथमेश को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, उनकी हालत बिगड़ गई और उन्हें केईएम अस्पताल ले जाया गया। लेकिन, इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई.

डोंबिवली में घरों में चोरी करने वाले चोरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार...

डोंबिवली : एक नामी डॉक्टर के बंद घर की खिड़की की ग्रिल तोड़कर चोर घर में घुस गए और गहने चुरा ले गए. ये घटना कुछ महीने पहले की है. इतना ही नहीं, डोंबिवली में कई चोरियां हुईं। चोरी करने का तरीका एक जैसा था. चोर ग्रिल तोड़कर घर में घुसते थे। यह घर में आभूषणों पर प्रहार से फैलता था। डोंबिवली एसीपी सुनील कुरहड़े और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय कदबाने के मार्गदर्शन में पुलिस अधिकारी संपत फडोल और राहुल म्हस्के की एक टीम ने चोर की तलाश शुरू की। अब इन चोरों को गिरफ्तार कर लिया गया है.

पुलिस ने सारी जानकारी ली और जांच शुरू की तो पता चला कि ये दोनों चोर उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर के एक गांव में रह रहे हैं. मानपाड़ा थाने की दो पुलिस टीमें उत्तर प्रदेश पहुंचीं. सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने स्थानीय पुलिस की मदद से रात करीब एक बजे एक घर पर छापा मारा। उस घर से राजेश कहार को गिरफ्तार किया गया. राजेश द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार पुलिस ने एक घंटे के अंदर चिंटू के घर पर भी छापेमारी की. दोनों के घर से लूटे गए आभूषण बरामद कर लिए गए हैं। इन दोनों चोरों ने गांव में आलीशान मकान बना रखा है.

24 अपराध सुलझाये गये

पुलिस ने राजेश कहार और चिंटू दोनों के पास से 23 लाख रुपये की नकदी बरामद की है. पुलिस ने इनसे 24 अपराध सुलझाने में सफलता हासिल की है. पुलिस ने मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है. संभावना है कि पूछताछ में इन दोनों से कुछ और वारदातों का खुलासा होगा. इन दोनों ने ठाणे, नवी मुंबई और डोंबिवली में सेंधमारी की है।

पुलिस ने क्या कहा?

मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में चोरी का मामला दर्ज किया गया था. हम इसकी गहनता से जांच कर रहे थे.ह्न हमने आरोपी को राज्य के बाहर से गिरफ्तार किया है. बब्लू कहार एक घर में चोरी करने वाला व्यक्ति है जिसके खिलाफ 13 मामले दर्ज हैं। एक अन्य अपराधी चिंटू पर भी चोरी के सात मामले दर्ज हैं। इन आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया है. ये दोनों रात में घरों पर नजर रखकर चोरियां करते थे। घर और लोगों पर नजर रखते हुए इन दोनों ने बड़ी सावधानी से दरवाजा या दरवाजा खोलकर घर में चोरी की है. दोनों के पास से 22 लाख से अधिक कीमत का 325 ग्राम सोना और 7 ग्राम चांदी बरामद करने में सफलता मिली है. डोंबिवली के पुलिस अधीक्षक सुनील कुरहाडे ने यह बात कही.

पुणे/ खानाखुना द्वारा दी गई गवाही बनी निर्णायक मोड़, आरोपी को सुनाई गई 10 साल की सजा

पुणे: विशेष लड़की से रेप के मामले में लड़की ने कोर्ट में दी गवाही. मामले में पीड़िता की बेटी की गवाही अहम रही. अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया और जिला सत्र न्यायाधीश डी. पी। रैगिट ने आरोपी को दस साल के लिए कठोर कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने आरोपी को दस हजार रुपये का जुमार्ना भरने का आदेश दिया है और जुमार्ना न भरने पर कोर्ट ने फैसले में एक साल की सजा का प्रावधान किया है.

दोषी ठहराए गए आरोपी का नाम प्रताप बबनराव भोसुरे (उम्र 59, निवासी धनोर, जिला शिरूर, पुणे) है। पीड़ित बच्ची की मां ने शिक्रापुर थाने में शिकायत दर्ज करायी थी. 18 मई 2015 को किशोरी बकरियों को जंगल ले गई थी। आरोपी भोसुरे ने उसे गोली मारने का लालच दिया और जंगल में एक सुनसान जगह पर उसके साथ बलात्कार किया। रेप के बाद लड़की गर्भवती हो गई. इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया. तब से आरोपी पिछले आठ साल 11 महीने से यरवदा जेल में है. इस मामले में, सलाहकार. मामले की पैरवी लीना पाठक ने की. सरकारी पक्ष की ओर से नौ गवाहों की गवाही दर्ज करायी गयी.

पीड़ित लड़की ने कोर्ट में गवाही दी. लड़की की गवाही कैमरे के जरिए रिकॉर्ड की गई. गवाही के साथ-साथ मेडिकल साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए अदालत ने आरोपी को दस साल की सश्रम कारावास और दस हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई। शिक्रापुर थाने के तत्कालीन सहायक पुलिस निरीक्षक हेमचंद्र खोपड़े ने मामले की जांच की. अदालती कार्यवाही में पुलिस कांस्टेबल विद्याधर निचित, एस. बी। भागवत, ज्ञानदेव सोनावणे द्वारा सहयोग किया गया।

1 लाख 11 हजार मिल श्रमिकों के दस्तावेज मुंबई म्हाडा बोर्ड को सौंपे गए

मुंबई : म्हाडा का मुंबई बोर्ड डेढ़ लाख मिल श्रमिकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए एक विशेष अभियान चला रहा है। इस अभियान के तहत अब तक एक लाख 11 हजार 648 श्रमिक-उत्तराधिकारियों ने दस्तावेज जमा किये हैं। इनमें से 96 हजार 313 श्रमिक-उत्तराधिकारी पात्र हुए हैं। ऐसे में मुंबई बोर्ड को 39 हजार श्रमिकों-उत्तराधिकारियों के दस्तावेजों का इंतजार है। दो लाख से अधिक मिल श्रमिकों और उनके उत्तराधिकारियों ने म्हाडा के मुंबई बोर्ड के साथ आवास योजना के लिए आवेदन दायर किया है। इनमें से 1 लाख 50 हजार 484 मिल श्रमिकों और उनके उत्तराधिकारियों का निर्धारण नहीं हो सका है। इसके बावजूद राज्य सरकार के निदेर्शानुसार इन आवेदकों की पात्रता ड्रा से पहले निर्धारित करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए म्हाडा ने 14 सितंबर से विशेष अभियान शुरू किया है. इस अभियान के तहत श्रमिकों से दस्तावेज एकत्र किये जा रहे हैं. श्रम विभाग पात्रता का निर्धारण कर रहा है। म्हाडा द्वारा इस अभियान को कई बार बढ़ाया गया है। आज भी यह अभियान जारी है और पिछले आठ महीनों में इस अभियान को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है.

सितंबर से 7 मई तक 150,484 श्रमिकों में से 111,647 ने अपने दस्तावेज जमा कर दिए हैं। इनमें से 10 हजार 381 दस्तावेज ऑफलाइन जमा किए गए हैं। एक लाख एक हजार 226 आवेदन ऑनलाइन जमा किये गये हैं. पर्चा जमा करने वाले कुल एक लाख 11 हजार 647 में से अब तक 96 हजार 313 श्रमिक-वारिस अर्हता प्राप्त कर चुके हैं। मुंबई बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि 5564 श्रमिक-उत्तराधिकारियों को अयोग्य घोषित कर दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि 9970 श्रमिकों-उत्तराधिकारियों के दस्तावेजों की जांच शुरू हो गयी है. इस बीच 39 हजार श्रमिक-उत्तराधिकारियों ने अब तक अपना आवेदन जमा नहीं किया है. बोर्ड ने अपील की है कि कर्मचारी-उत्तराधिकारी जल्द से जल्द दस्तावेज जमा कर दें.

96 हजार श्रमिक पात्र हैं

नवी मुंबई / एक साल में 9 हजार 373 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई

नवी मुंबई: दिन-ब-दिन बढ़ती दुर्घटनाओं का मुख्य कारण यह है कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन किए बिना वाहन चलाए जा रहे हैं। नवी मुंबई शहर में यातायात नियमों के उल्लंघन से भी दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ रही है। इन दुर्घटनाओं को कम करने के लिए वाशी आरटीओ विभाग ने अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक सड़क सुरक्षा के तहत यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की है।

आरटीओ की ओर से सड़क सुरक्षा अभियान के तहत हमेशा सुरक्षित यात्रा की सीख दी जाती है। हेलमेट का प्रयोग करने, सीट बेल्ट लगाने, मोबाइल फोन पर बात करते हुए गाड़ी न चलाने, शराब पीकर गाड़ी न चलाने के बारे में जागरूक किया गया। सुरक्षित यातायात नियम बताए गए हैं। फिर भी वाहन चालक यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए लापरवाही से वाहन चलाते हैं। कई बार बाइक चालक बिना हेलमेट के सफर करते हैं। नतीजा यह होता है कि अनजाने में दुर्घटनाओं को न्यौता मिल जाता है और हेलमेट के अभाव में उनकी जान चली जाती है। वहीं, चार पहिया वाहन चालक भी बिना सीट बेल्ट लगाए लापरवाही से वाहन चलाते हैं। इसके अलावा वे गाड़ी चलाते समय मोबाइल पर भी बात करते हैं। इस कारण इस दौरान अप्रत्याशित दुर्घटनाएं होती रहती हैं। दुर्घटनाओं की संख्या को कम करने के लिए, वाशी आरटीओ विभाग ने लापरवाह ड्राइवरों पर कार्रवाई शुरू की है। अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक कुल 9 हजार 373 वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही की गयी है। इनमें सबसे ज्यादा कार्रवाई बिना हेलमेट और बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाले वाहन चालकों पर की गई।

आंकड़े...

बिना हेलमेट : 3875
सीटबेल्ट : 188
गाड़ी चलाते समय मोबाइल पर बात करना : 399
पात्रता प्रमाण पत्र का अभाव : 4360
सिग्नल तोड़ना : 744

बारामती में मतदान खत्म होते ही फायरिंग

पुणे: शहर में दो हत्याओं की घटना तो ताजा है, यह घटना मंगलवार रात की है जब मतदान के तुरंत बाद वारजे इलाके के रामनगर इलाके में एक दोपहिया वाहन पर सवार तीन लोगों ने हवा में पिस्तौल तान दी. बारामती लोकसभा क्षेत्र खत्म हो गया. वारजे क्षेत्र को बारामती लोकसभा क्षेत्र में शामिल किया गया था। मतदान के बाद गोलीबारी की घटना से इलाके में दहशत फैल गयी. वारजे क्षेत्र को बारामती लोकसभा क्षेत्र में शामिल किया गया था। मतदान शांतिपूर्वक संपन्न होने के बाद मंगलवार रात करीब 11 बजे पुणे पुलिस कंट्रोल रूम को वारजे इलाके के रामनगर इलाके में फायरिंग की सूचना मिली. घटना की जानकारी मिलते ही वारजे पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें मौके पर पहुंचीं। पुलिस को सूचना मिली कि रात करीब 11 बजे रामनगर इलाके के शक्ति चौक पर दोपहिया वाहन पर सवार तीन लोगों ने तमंचे से फायरिंग की है. आरोपियों ने हवाई फायरिंग की और फायरिंग के पीछे का कारण पता नहीं चल सका। गोली चलाने वाला आरोपी दोपहिया वाहन पर सवार होकर मुंबई-बेंगलुरु बाइपास पर कटराज तक फैल गया है. वारजे पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मनोज शेडगे ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश जारी है.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com